Govt. Degree College Bhojpur Moradabad.

Name- Madhu Tyagi

Email - Madhutyagi881@gmail.com

Stream- Arts

Name of Course- Third year

Name of Subject- History

Name of Topic - Conflict in Bengal

Name of Sub Topic - Battles of Pleesey and Buxar and its Impact (प्लासी युद्ध · बक्सर युद्ध, प्रभाव)

Meta-data Keywords - Battles of Plessey and Buxar

Type - Text Pdf

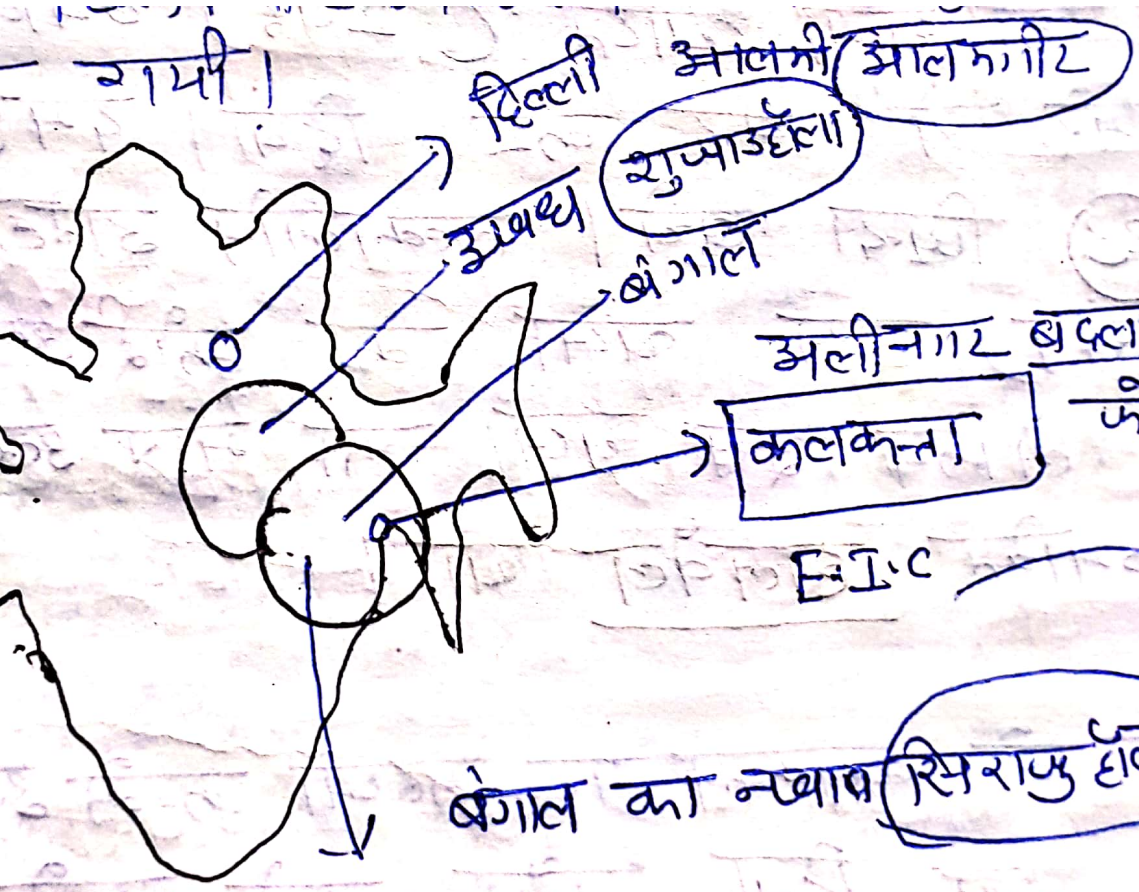

फोर्ट विलियम किले के चारों ओर खाई खोद दी
इस समय बंगाल का नवाब सिराजुद्दौला था।

Scanned with CamScanner

⇒ 1756 ई० में बंगाल का नवाब अलीवर्दी खाँ के बाद सिराजुद्दौला बना। इस कम्पनी ने यद्यपि अलीवर्दी खाँ के काल में मराठों का भय दिखाकर फोर्ट विलियम के चारो ओर खाई खोद ली। और अब सिराजुद्दौला के काल में तोपे चढ़ा दी। जिसका विरोध नवाब ने किया और तोपे उतारने का आदेश दिया। कम्पनी ने आदेश की अवेहलना की इस पर नवाब ने कलकत्ता पर धावा बोला।

ⓑ कलकत्ता पर धावा 1756 ई० में बोला।

ⓒ इस समय किला का प्रमुख रोजर ड्रेक था।

ⓓ कम्पनी के सैनिक किला छोड़ कर भाग गये।

ⓔ ब्लैक होल की घटना व्यक्ति (C 246) व्यक्तियों को छोटे कमरे में बन्द कर दिया। दमघुटने के बाद (23) जिन्दा बचे। तत्कालीन इतिहास कार (गुलाम हुसैन) इस घटना का कोई उल्लेख नही करता। लेकिन इस घटना का मात्र उल्लेख करने वाला व्यक्ति हालवेल था।

ⓕ सिराजुद्दौला ने कलकत्ता पर कब्जा करके इसे नाम अलीनगर रख दिया और इसे अपने अधिकारी मानिक चन्द को सौपकर मुर्शिदाबाद वापस आ गया।

ⓖ एक सेना क्लाइव के अधीन बंगाल भेजी गयी। और किला मानिकचन्द को रिश्वत देकर किला अपने कब्जे में ले लिया।

Scanned with CamScanner

अलीनगर की सन्धि Feb-1757
सिराजुद्दौला और क्लाइव के बीच हुई।
1) किले पर तोपे चढ़ायी जायेगी।
2) नवाब क्षतिपूर्ति देगा।
3) और अंग्रेज दस्तक का प्रयोग करेगे।

इस सन्धि का दरबार में विरोध हुआ। इसी असन्तोष स्थिति में क्लाइव ने एक षड़यन्त्र रचा। जिसका परिणाम प्लासी का युद्ध था।

प्लासी का युद्ध 1757

क्लाइव — अमीचन्द, रायदुर्लभ, मनिकचन्द, नवाब का सेनापति मीरजाफर षडयन्त्र में क्लाइव के साथ। — सिराजुद्दौला

1) नवाब की अग्रिम टुकड़ी मीर मदान और मोहन सिंह के अधीन थी। जिन्होंने क्लाइव को पीछे हटा दिया। अब मीर जाफर ने ~~क्लाइ~~ नवाब को वापस राजधानी भेज दिया तभी मीर मदान मारा गया। (और क्लाइव मीर जाफर) एक दूसरे से गले लग रहे थे। और अब मीर जाफर के बेटे मीरन ने सिराजुद्दौला की हत्या कर दी। प्लासी के युद्ध ने भारत में अंग्रेजी राज्य की नींव डाल दी।

Scanned with CamScanner

प्लासी युद्ध के परिणाम

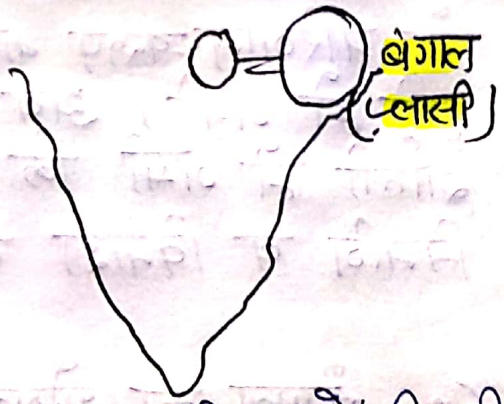

1. **बंगाल पर अंग्रेजों का अधिकार**:- प्लासी युद्ध में विजयी होने के पश्चात अंग्रेजों का बंगाल पर पूर्णरूप से अधिकार हो गया। बंगाल का नव नियुक्त नवाब मीरजाफर नाममात्र का नवाब था। वास्तव में वह अंग्रेजों के हाथ की कठपुतली मात्र ही था। के० एम० पानिक्कर ने लिखा है- "प्लासी युद्ध ऐसा व्यापार था जिसमें बंगाल के धनवान सेठों और मीरजाफर ने नवाब को बेच दिया था।

2. **कम्पनी को आर्थिक लाभ**:- इस युद्ध से कम्पनी को अनेक आर्थिक लाभ प्राप्त हुए। अंग्रेजों को बंगाल में कर मुक्त व्यापार का एकाधिकार प्राप्त हो गया। कम्पनी को कलकत्ता में एक साल खोले की अनुमति प्राप्त हो गयी।

3. **साम्राज्य विस्तार का मार्ग-प्रशस्त**:- प्लासी के विजय ने अंग्रेजों के लिए बंगाल तथा उसके पश्चात भारत के शेष भागों में साम्राज्य विस्तार का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

4. **दक्षिण में होने वाले आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष पर प्रभाव**:- आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष में अंग्रेजों ने बंगाल से प्राप्त धन एवं उनका उपयोग फ्रांसीसियों के विरुद्ध किया।

Scanned with CamScanner

5. कम्पनी की प्रतिष्ठा में वृद्धि :- प्लासी में प्राप्त विजय के परिणामस्वरूप कम्पनी की प्रतिष्ठा में अत्याधिक वृद्धि हो गयी। अब कम्पनी इतनी अधिक प्रभाव शाली हो गयी कि वह भारत में शासकों का निर्माण व विनाश कर सकती थी।

6. बंगाल का शोषण :- इस युद्ध के पश्चात कम्पनी के प्रभाव में अत्याधिक वृद्धि हो गयी। उन्होंने जितना हो सकता था बंगाल का शोषण किया।

7. नैतिक पतन :- प्लासी के युद्ध में प्राप्त विजय से अंग्रेजों का नैतिक पतन हो गया क्योंकि उनका एकमात्र लक्ष्य धन एकत्र करना रह गया था। अब वह नैतिक व अनैतिक सभी साधनों से धन बटोरने में संलग्न हो गये।

मीरजाफर 1757-1760

2) प्लासी का युद्ध एक धोखा था जिसमें नवाब के अधिकारियों ने नवाब को अंग्रेजों को बेच दिया था। (के० एम० पणिक्कर)

ब) प्लासी के युद्ध के समय बाद शाह आलमगीर द्वितीय था।

ब) प्लासी के युद्ध के बाद बंगाल का नवाब मीर जाफर बना।

ब) प्लासी भागीरथी नदी के किनारे स्थित है।

ब) मीरजाफर ने अंग्रेजों को 24 परगने की जमींदारी प्रदान की।

ब) मीरजाफर अंग्रेजों की अनुचित आर्थिक मांगों से दुखी हो गया। इस पर कम्पनी ने मीर जाफर को हटाकर पेंशन पर कलकत्ता भेज दिया। और बंगाल का नवाब इनके दमाद (मीर कासिम को बना दिया) 1760-63

ब) मीर कासिम ने नवाब बनने के बाद वर्धमान, मिदनापुर, चटगाँव की जमींदारी दी।

ब) मीर कासिम भी जल्दी अंग्रेजों की अनुचित नीतियों को समझ गया। और 1762 में राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर Transfer ब) कर दी। क्योंकि मुर्शिदाबाद में अंग्रेजों का दबदबा था।

ब) इसने अधिकारियों से निजी रिश्वत जमा कर वसूला।

ब) यूरोपियन पद्धति पर सेना के गठन का प्रयास किया।

Scanned with CamScanner

c) अंग्रेजों के दस्तक के दुरुपयोग से दुखी होकर नवाब ने घोषणा कर दी सभी भारतीय व्यापारी भी tax मुक्त व्यापार करेंगे। इसी स्थिति में अंग्रेज दस्तक का दुरुपयोग नहीं कर सकते। प्रतिक्रिया स्वरूप एलिस ने पटना पर attack कर दिया। और फिर झड़पे शुरु हो गयी। इन परिस्थितियों में नवाब राजधानी छोड़कर अवध के नवाब के यहाँ शरण ली।

d) कम्पनी ने पुनः 1763 में मीरजाफर को बंगाल का नवाब बनाया।

बक्सर का युद्ध – 1764

गुट
(1) मुगल बादशाह शाहआलम II
(2) अवध का नवाब शुजाउद्दौला
(3) बंगाल का नवाब मीरजाफर
मीर कासिम

कम्पनी
हैक्टर मुनरो
कम्पनी जीत गयी

Note:- बक्सर के युद्ध के साथ भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना हुई।

⇒ बक्सर के युद्ध के समय कम्पनी का प्रमुख था वेन्सीटार्ट था।

2) इस युद्ध के साथ बंगाल, बिहार उड़ीसा पर कम्पनी की विजय।

c) क्लाइव 1760 में इंग्लैंड चला गया था। और अब बक्सर की जीत के बाद कंपनी के mangment ने यह निर्णय लिया कि क्लाइव को ही बंगाल का पहला गवर्नर बनाया गया।

Scanned with CamScanner

बक्सर के युद्ध के परिणाम:

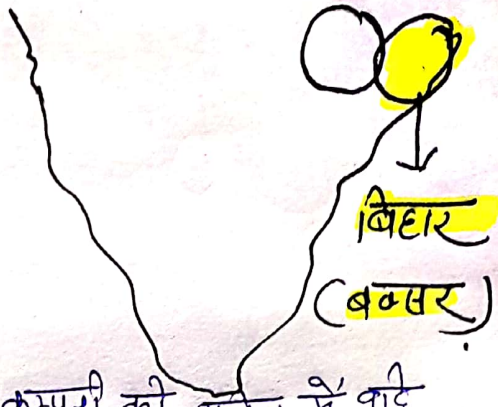

परिणाम

- इस युद्ध से कम्पनी की शक्ति में वृद्धि हुई।
- बंगाल के साथ बिहार पर और बंगाल बिहार उड़ीसा की दीवानी अधिकार भी प्राप्त हुए। (राजस्व)
- बंगाल के नवाब के सब अधिकार समाप्त हो गये।
- बक्सर के युद्ध ने ही वास्तव में अंग्रेजों की भारत में स्थापत्य की नींव रखी
- बक्सर का युद्ध प्लासी के युद्ध से ज्यादा परिणामों में निर्णयात्मक था।
- कम्पनी को उत्तर प्रदेश व उत्तर पश्चिम पर अधिकार
- बक्सर के युद्ध ने भारत का भाग्य बदल दिया

Bibliography:-

(1) डा० आलोक कुमार चतुर्वेदी, भारत का इतिहास, साहित्य पब्लिशर्स, आगरा

(2) एल० पी० शर्मा, आधुनिक भारत, प्रकाशक, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, प्रथम संस्करण 1975

(3) बी० एल० ग्रोवर, आधुनिक भारत का इतिहास, एस चन्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली, 34 संस्करण।

Scanned with CamScanner